भारत सरकार

गृह मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1420

दिनांक 03.05.2016/13 वैशाख, 1938 (शक) को उत्तर के लिए

नक्सली हमलों में सीएपीएफ के जवानों की मौतें

†1420. श्री कीर्ति आजादः

क्या **गृह मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या गत दो वर्षों में वामपंथ उग्रवाद से संबंधित घटनाओं में मरने वाले केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) के जवानों की संख्या में वृद्धि हुई है और यदि हां, तो तत्संबंधी राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने यह बता लगाने के लिए कि समुचित प्रशिक्षण बावजूद उक्त जवान वामपंथ उग्रवाद के विरुद्ध बड़े पैमाने पर बेअसर क्यों रहे हैं, कोई अध्ययन/आकलन कराया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(घ) क्या सीएपीएफ के पास अच्छे हथियार, शस्त्रागार अथवा गोला बारुद नहीं है; और

(ड.) यदि हां, तो क्या सरकार वामपंथ उग्रवाद से और अधिक प्रभावी तरीके से निपटने के लिए प्रशिक्षण और उपकरणों के संदर्भ में सीएपीएफ का उन्नयन करने के लिए कदम उठा रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री हरिभाई परथीभाई चौधरी)

(क): जी, नहीं। गत दो वर्षों में वामपंथी उग्रवादी (एलडब्ल्यूई) हिंसा से संबंधित घटनाओं में अपने प्राणों की आहुति देने वाले केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) कर्मियों की संख्या में कमी आई है। गत दो वर्षों और चालू वर्ष (दिनांक 27 अप्रैल तक) में हताहत होने वाले सीएपीएफ कर्मियों का राज्य-वार ब्यौरा अनुलग्नक-। में दिया गया है।

(ख) और (ग): भारत सरकार प्रति वर्ष बलों के कार्यनिष्पादन की समीक्षा करती है और तदनुसार रणनीतियां और नीतियां तैयार करती है। केन्द्र सरकार और इसकी विभिन्न एजेंसियां वामपंथी उग्रवाद-रोधी अभियानों के विभिन्न पहलुओं के संबंध में निरंतर आधार पर सीएपीएफ कार्मिकों के लिए अनेक प्रभावी और प्रासंगिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करती हैं। इस प्रकार की समीक्षा और प्रशिक्षण की वजह से सफल अभियान आयोजित किए गए और वर्ष 2014 में 63 की तुलना में वर्ष 2015 में 89 एलडब्ल्यूई कैडर मारे गए। बरामद किए गए हथियारों की संख्या में भी वृद्धि हुई है, जो वर्ष 2014 में 548 से बढ़कर वर्ष 2015 में 723 हो गई है।

(घ) और (ड.): हथियारों और गोलाबारूद के संदर्भ में सीएपीएफ अच्छी तरह से लैस हैं। एलडब्ल्यूई प्रभावित क्षेत्रों में तैनात यूनिटों के लिए विशेष हथियार उपलब्ध कराए जाते हैं। बल दिए जाने वाले क्षेत्रों में से एक क्षेत्र प्रशिक्षण है और इसे नक्सल-रोधी अभियानों के लिए आयोजित किया जाता है जो आसूचना आधारित और आईईडी का सामना करने के लिए भी हैं। बेहतर प्रशिक्षण देने के लिए, समय-समय पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में संशोधन किया जा रहा है। सेना भी एलडब्ल्यूई क्षेत्रों में तैनात की जा रही सीएपीएफ बटालियनों को तैनाती-पूर्व प्रशिक्षण दे रही है।

अनुलग्नक

लोक सभा अता. प्रश्न संख्या 1420

गत दो वर्षों के दौरान एलडब्ल्यूई घटनाओं में अपने प्राणों की आहुति देने वाले सीएपीएफ कार्मिकों का राज्य-वार ब्यौरा

राज्य का नाम	2014	2015	2016 (दिनांक 27.4.2016 की स्थिति के अनुसार)
बिहार	6	2	0(2)
छत्तीसगढ़	42	4	14(3)
झारखंड	2	1	0(0)
ओडिशा	0	3	2(0)
कुल	50	10	16(5)*

*कोष्ठकों में दिए गए आंकड़े वर्ष 2015 की तदनुरूपी अवधि से संबंधित हैं।